

डॉ. कामेश्वर ब्रह्म

Dr. Kameswar Brahma



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ. कामेश्वर ब्रह्म

बोडो साहित्य सभा, जो कि एक बोडो राष्ट्रीय सामाजिक–साहित्यिक संगठन है, के अध्यक्ष डॉ. कामेश्वर ब्रह्म एक शिक्षाविद् और साहित्य प्रेमी के रूप में सुविख्यात हैं। आपने बोडो भाषा, साहित्य तथा शिक्षा के विकास में अमूल्य योगदान किया है।

2. आपका जन्म 01 सितम्बर, 1940 को कोकराझार जिले के गांव भुम्का में हुआ था। आपने वर्ष 1963 में कोकराझार कॉलेज से बी. ए. की उपाधि तथा वर्ष 1968 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय से एम.ए. की उपाधि प्राप्त की। आपने गुवाहाटी विश्वविद्यालय के फॉकलोर अनुसंधान विभाग में, वर्ष 1981 में, जनजाति संस्कृति तथा बोडो के सामाजिक रीति–रिवाजों पर शोध कार्य आरंभ किया और वर्ष 1989 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। आपने वर्ष 1963 से 1971 तक धुबरी जिले में स्थित जे.एन. अकादमी रूपसी में कार्य किया, वर्ष 1972 में इतिहास के विभागाध्यक्ष के रूप में गोसाईंगांव कॉलेज में कार्य ग्रहण किया तथा वर्ष 1985 से सेवा निवृत्त होने तक अर्थात् 31 अगस्त 2000 तक उस कॉलेज के प्रधानाचार्य के रूप में अपनी सेवाएं दीं। आप, आज भी शिक्षा, साहित्य और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। आप बी. एड. कॉलेज, गोसाईंगांव के शासी निकाय के अध्यक्ष, बोडोलैण्ड विश्वविद्यालय, कोकराझार के सदस्य तथा जी. बी. गोसाईंगांव कॉलेज, गोसाईंगांव, असम के सदस्य हैं।

3. आपने वर्ष 1983 में पूर्वोत्तर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिलांग द्वारा "रिसर्च मेथडोलॉजी" पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन एवं कार्यशाला, एड्यूकेशन इंडिया पर आयोजित विश्व–सम्मेलन में नई दिल्ली में 12 से 14 नवम्बर, 1997 में द नेक्स्ट मिलेनियम तथा 10 से 15 अगस्त, 2009 में जेनेवा स्थित यू. एन. ओ. कांफ्रेंस ऑन एड्यूकेशन में सहभागिता की और बोडो भाषा तथा साहित्य पर पेपर प्रस्तुत किए। आपने बोडो, अंग्रेजी तथा असमी भाषाओं में कम से कम 20 पुस्तकें संकलित कीं तथा आपके कई एक लेख राष्ट्रीय स्तर के पत्र और पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

4. आपको वर्ष 2012 में कोलकाता से "द सरत् सर्च पुरस्कार", एस.डी.ओ (सी) गोसाईंगांव से वर्ष 2014 में "बैस्ट सोशल वर्कर इन द कम्युनिटीज" तथा बी.टी.सी. से वर्ष 2015 में प्रमद चन्द्र ब्रह्म साहित्य जैसे कई एक पुरस्कारों से विभूषित किया गया।

Dr. Kameswar Brahma

Dr. Kameswar Brahma, the President of Bodo Sahitya Sabha, A Bodo National Socio-Literary Organization, is well known as an educationist and a man of literature. He has contributed a lot towards development of Bodo language, literature and education.

2. Born on September 01, 1940, at the village Bhumka, in the district of Kokrajhar, Dr. Brahma obtained the B.A. Degree from Kokrajhar college in 1963 and M.A. from the University of Gauhati in 1968. He started research works on the Tribal Culture and Social Customs of the Bodos in 1981 in the Folklore Research Department of the University of Gauhati and obtained Ph.D. Degree from the University of Gauhati in 1989. He served at J.N. Academy Rupshi, in the district of Dhubri from 1963 to 1971, joined Gossaigaon College in 1972 as the Head of the Department of History and served as the Principal of the College from 1985 till retirement, 31st August, 2000. He is still involved in Education, Literature and Social Activities. He is the President of the Governing Body of B. Ed. College, Gossaigaon, member of the Ec. Bodoland University Kokrajhar and member, G.B. Gossaigaon College, Gossaigaon, Assam.

3. Dr. Brahma participated in the National Seminar cum Workshop on the "Research Methodology" organized by the N.E. India Council for Social Science Research, Shillong in 1983; in the World Conference on Education India: The Next Millennium, 12-14 Nov., 1997, in New Delhi and in the U.N.O. Conference on Education at Geneva, 10-15 August, 2009 and presented papers on the Bodo Language and Literature. He compiled as many as 20 (twenty) books in Bodo, English and Assamese language and numbers of article have been published in the National level Journals and Magazines.

4. Dr. Brahma received a number of awards, like "The Sarat Sarcha Puraskar" from Kolkata in 2012, "Best Social Worker in the Communities" in 2014, from S.D.O. (C) Gossaigaon and Pramad Chandra Brahma literary Award from B.T.C. 2015.